ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, राँची

AMFU, Ranchi
Ref.: 9/8 (74) AAS/Ranchi
Mob.: 9340446914

IMD, New Delhi
Date: 25.09.2025
Email: amfuranchi@gmail.com

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन **बोकारो** जिले के लिए

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त अगले पाँच दिनों (25 अगस्त से 29 सितम्बर) का मौसम पूर्वानुमान

	25 सितम्बर	26 सितम्बर	27 सितम्बर	28 सितम्बर	29 सितम्बर
वर्षा (मिलीमीटर)	35.0	20.0	4.0	3.0	3.0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	27	29	29	30	31
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	23	22	22	22	23
आकाश में बादल की स्थिति	बादल छाए रहेंगे	बादल छाए रहेंगे	हल्के बादल छाए रहेंगे	हल्के बादल छाए रहेंगे	हल्के बादल छाए रहेंगे
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	88-93	80-96	64-92	55-85	51-85
हवा की गति (कि. मी. प्रति घंटा)	18	18	16	14	12
हवा की दिशा	दक्षिण-पूर्व की ओर से	दक्षिण-पूर्व की ओर से	दक्षिण-पश्चिम की ओर से	उत्तर-पूर्व की ओर से	उत्तर-पूर्व की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

पिछले तीन दिनों में, कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, कांके, रांची में 166.6 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 27.4-31.3°C और न्यूनतम तापमान 17.6-20.3°C के बीच रहा। सापेक्ष आर्द्रता 70-89% के बीच रही। हवा की गति 2.2-6.2 किमी/घंटा रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में बारिश होने और आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27.0-31.0°C और न्यूनतम तापमान 22.0-23.0°C के बीच रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता 51-96% के बीच रहेगी और हवा की गति 12-18 किमी प्रति घंटा के साथ हल्की से मध्यम रहेगी।

खेत से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की नालियां बनाएं। धान की फसल में दाने बनने की अवस्था के दौरान 5-10 सेमी पानी का स्तर बनाए रखने के लिए खेत की मेड़ों को मजबूत करें। उड़द, अरहर, रागी और मक्का जैसी खड़ी फसलों में पानी जमा न होने दें। चक्रवात का खतरा टलने तक खाद डालने और बुवाई का काम कुछ दिनों के लिए टाल दें। तेज हवाओं से सब्जियों और कद्दू-वर्गीय फसलों को सहारा दें। पशुओं के शेड को मजबूत करें और शेड के अंदर पानी जमा न होने दें।

धान	पानी जमा होने की वजह से जल्दी रोपी गई धान की फसल में 'शीथ ब्लाइट' का संक्रमण हो सकता है। इस बीमारी से बचाव के लिए 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 1 मिली प्रोपिकोनाज़ोल प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	उच्च आर्द्र स्थिति तथा तापमान 25-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने पर मक्का की फसल मे पत्ती झुलसा रोग के प्रकोप देखे जा सकते है। नियंत्रण के लिए एज़ोक्सीस्ट्रोबिन + मैंकोज़ेब 300 ग्राम/एकड़ का छिड़काव करें। मक्के की फसल जहाँ भुट्टे में दाने लग रहे हैं, उनकी रखवाली का समय आ गया है। इसके लिए किसान खेतों में खम्भों के सहारे चमकीले फीता बांध दें, इस फीता पर पड़ने वाले सूर्य के प्रकाश द्वारा उत्पन्न चमक को देख कर पक्षी दूर भागते हैं।
पौध संरक्षण	वर्तमान में, लंबे समय तक गीली स्थिति धान, मक्का और सब्जियों में पत्ती खाने वाले कीटों की संख्या बढ़ाने में मदद करती है, जिसे क्विनोल्फोस 25 ईसी या क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी @ 2-3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के साथ घोल का छिड़काव करके नियंत्रित किया जा सकता है।
सब्जी	खेत से अतिरिक्त पानी निकाल दें. बारिश और उच्च आर्द्रता के कारण सब्जियों में झुलसा और रसचूसक कीटों का प्रकोप बढ़ने की संभावना; किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेत की नियमित निगरानी करें। यदि देखा जाए, तो ब्लाइट के लिए मैंकोजेब 75% WP @ 2 ग्राम/लीटर पानी और रस चूसने वाले कीट के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.25 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। पिछले सप्ताह के दौरान बारिश और उच्च आर्द्रता की स्थिति के कारण, युवा पौधों में मुरझाने की संभावना है। खेत से पानी निकाल दें. 200 लीटर पानी में कार्बोक्सिन+थिरम @400 ग्राम या मेटालैक्सिल 8%+मैन्कोज़ेब 64% WP @400 ग्राम के साथ स्ट्रेप्टोसाइलिन 20 ग्राम मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। फसल में पोटाश उर्वरक की अतिरिक्त मात्रा डालें।
दलहनि फसल	अरहर में उकठा रोग के प्रकोप देखे जा रहे है जो अपनी वानस्पतिक अवस्था में है। इसके बचाव हेतु रोगग्रसित पौधों को उखाड़ के फेक दें, अगली बार बुवाई से पूर्व बीजोपचार अवश्य करें एवं रोगरोधी किस्मों का चुनाव करें।
मुर्गीपालन	हवा में नमी अधिक होने की स्थिति में फंगल रोग की संभावना अधिक रहती है। इसलिए पोल्ट्री कूड़े में चूना मिलाएं। 7 दिन के चूजों को आरडी का टीका दें। कोक्सीडायोसिस को रोकने के लिए पशुचिकित्सक की देखरेख में एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करें।

अनुराग सनाडया
रिसर्च एसोसिएट

डॉ. रमेश कुमार
नोडल आफिसर